Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 17 , शुक्रवार, 09 फरवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

लूटपाट के विरोध पर युवक की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली। राजधानी के विकासपुरी इलाके में मंगलवार देर रात लूटपाट का विरोध करने पर स्कूटी सवार बदमाशों ने 25 वर्षीय युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। बदमाशों का फिलहाल कोई सुराग नहीं लगा सका है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। मृतक की पहचान विकासपुरी के बुढ़ेला गांव निवासी रवि यादव के रूप में हुई है। रवि जीजा के साथ किराए के मकान में रहता था, जो मूलत: बिहार के मधुबनी का रहने वाला था। उसका परिवार गांव में ही रहता है। परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। वह मंगलवार देर रात एक बजे सोम बाजार से कुछ साथियों के साथ घर लौट रहा था। बुढ़ेला के पास स्कूटी सवार तीन बदमाशों ने उन्हें रोका और लूटपाट करने लगे। रवि ने लूटपाट का विरोध किया तो एक बदमाश ने उसे चाकू घोंप दिया। इससे रवि के साथी डरकर भाग गए। पीड़ित की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने वारदात की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस शक के आधार पर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

कलेक्शन एजेंट से तीन लाख लूटे

राजधानी के समयपुर बादली इलाके में मंगलवार सुबह बदमाशों ने गोली चलाकर कलेक्शन एजेंट से तीन लाख रुपये लूट लिए। पुलिस मामला दर्ज कर लुटेरों की सुरागकशी का प्रयास कर रही है। पीड़ित विकास (24) परिवार के साथ बादली गांव में रहता है। वह निर्मल मनी ट्रांसफर कंपनी में कलेक्शन है। मंगलवार को वह बाइक से कलेक्शन के लिए निकला था। करीब चार जगहों से कलेक्शन करने के बाद वह ऑफिस लौट रहा था। रास्ते में समयपुर अंडरपास के पास बाइक सवार तीन युवकों ने उसे रोक लिया। उन्होंने उस पर पिस्तौल तान दी और नकदी से भरा बैग देने को कहा। इस पर पीड़ित डर गया और मौके पर ही अपनी बाइक छोड़कर नकदी का बैग लेकर भागने लगा। मगर लुटेरों ने गोली चलाते हुए उसका पीछा किया और उससे बैग लूटकर भाग गए। हमले में वह बाल-बाल बच गया। बैग में तीन लाख रुपये थे।

आनंद विहार व बरार स्क्वायर पर बनेंगे फ्लाईओवर

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे को बजट में मिले 440 करोड़ रपए में से 200 करोड़ रपए नए पुलों के निर्माण और प्लेटफार्म को ऊंचा करने पर खर्च किया जाएगा। जबकि सौ करोड़ स्टेशनों पर लिफ्ट और एस्कलेटर्स लगाये जाने पर खर्च होंगे। स्टेशनों पर अन्य सुधार कायरे पर 140 करोड़ रपए खर्च होंगे। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक विश्वेश चौने ने बुधवार को बड़ौदा हाउस में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बजट में मिली राशि और रेल संबंधित घोषणाओं को क्रियान्वित किये जाने की योजना से अवगत करवाया गया। उन्होंने बताया कि 0.88 करोड़ रपए की लागत से आठ फ्लाईओवर्स बनाये जाएंगे, जिनमें दो दिल्ली के बरार स्क्वायर और आनंद विहार स्टेशन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि नई लाइनों के निर्माण के लिए 1607.5 करोड़ रपए दिए गए हैं जबकि रेलवे ट्रैकों के दोहरीकरण के लिए 1336 करोड़ रपए दिए गए हैं। 4282.69 करोड़ रु पए विद्युतीकरण पर खर्च किया जाएगा। इसमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और पंजाब के रूट शामिल हैं। उन्होंने बताया कि राजधानी, दूरांतो व शताब्दी जैसी ट्रेनों में सीसीटीवी लगेंगे। जिसपर सवा छह सौ करोड़ रपए खर्च होंगे।

इंद्राणी मुखर्जी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। पटियाला हाउस अदालत ने आईएनएक्स मीडिया निवेश मामले में गिरफ्तार इंद्राणी मुखर्जी को बुधवार को 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया।केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सीबीआई के विशेष न्यायाधीश सुनील राणा के समक्ष दलील दी कि उसे पूछताछ के लिए इंद्राणी को अपनी हिरासत में लेने की अब जरूरत नहीं है। इसके बाद अदालत ने इंद्राणी को 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इससे पहले पांच फरवरी को विशेष अदालत ने सीबीआई को इंद्राणी मुखर्जी को गिरफ्तार करने का आदेश दिया था। शीना बोरा हत्या मामले में मुंबई की बाईकुला जेल में बंद इंद्राणी मुखर्जी को सोमवार (पांच फरवरी) को दिल्ली लाकर विशेष अदालत के समक्ष पेश किया गया था। दो फरवरी को मुंबई की एक अदालत ने इंद्राणी मुखर्जी को दिल्ली की अदालत के समक्ष पेश करने के लिए स्वीकृति दी थी।

अच्छी खबर: गंभीर बीमारी और दुर्घटना पर होमगार्डों को मिलेंगे एक लाख

कानपुर। होमगार्डों के लिए खुशखबरी है। गंभीर बीमारी होने या फिर दुर्घटना में घायल होने पर इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। एक लाख रुपए की तत्काल आर्थिक सहायता मिल सकेगी। इसके लिए हर माह वेतन से दस रुपये कटवाने होंगे।

होमगार्ड मुख्यालय, लखनऊ से सूबे के सभी जिला कमांडेंट को आदेश दिया गया है कि जीवन रक्षा निधि सहायता कोष गठित किया जाए। इसमें हर माह होमगार्ड स्वयंसेवकों की सहमति से दस रुपये मासिक जमा होंगे।

गंभीर बीमारी या फिर दुर्घटना की स्थिति में कोष से तत्काल एक लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। अगर कोई वेतन से कोष के लिए कटौती नहीं कराना चाहता है, उस पर दबाव नहीं बनाया जाएगा। ऐसे होमगार्ड स्वयंसेवक या फिर कर्मचारी आर्थिक सहायता के लिए हकदार भी नहीं होंगे।

समिति करेगी अनुमोदन

जीवन रक्षा सहायता कोष के लिए हर जिला मुख्यालय में पांच सदस्यीय समिति बनेगी। इसमें जिला कमांडेंट, कंपनी कमांडर के अलावा सर्वसम्मति से तीन होमगार्ड सदस्य होंगे। इस समिति के अनुमोदन के बाद कोष से आवेदक होमगार्ड को नकद एक लाख रुपये दिए जाएंगे।

स्थायी कर्मचारियों को मिलेगा लोन

जिला मुख्यालय पर होमगार्ड कमांडेंट में कार्यरत स्थायी कर्मचारी भी जीवन रक्षा निधि सहायता कोष में वेतन से दस रुपये कटवा सकते हैं। उन्हें गंभीर बीमारी या दुर्घटना होने पर एक लाख की सहायता राशि तो लोन के रूप में मिलेगी। यह राशि उन्हें अपने वेतन से चुकानी पड़ेगी।

पांच लाख का सामाजिक सुरक्षा बीमा

मुख्यालय से हर होमगार्ड और कर्मचारियों का सामाजिक सुरक्षा बीमा होता है। इसमें ड्यूटी के दौरान मृत्यु होने या फिर दो अंग अथवा दोनों आंखें चली जाने पर पांच लाख रुपये की राशि इंश्योरेंस कंपनी की ओर से दी जाती है।

एक अंग की अपंगता पर ढाई लाख रुपये बीमा कंपनी की ओर से मुहैया कराए जाते हैं।

तत्काल सहायता देने का है आदेश

कानपुर नगर के जिला कमांडेंट चंद्र मोहन मिश्र ने बताया कि मुख्यालय से जिलास्तर पर जीवन रक्षा निधि कोष बनाए

जाने का प्रस्ताव आया है। यह अभी विचाराधीन है। इसमें होमगार्डों की सहमति पर ही वेतन से 10 रुपये की कटौती की जाएगी। गंभीर बीमारी या फिर दुर्घटना का शिकार होने पर तत्काल एक लाख रुपये की सहायता देने का प्रावधान है।

दिल्ली में इन महिला बदमाशों के गिरोह से बचकर रहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में मंगलवार को लूटपाट और चोरी के दो ऐसे मामले सामने आए, जिन्हें महिलाओं के गिरोह ने अंजाम दिया है। पहले मामले में ऐसी दो महिलाएं धरी गईं, जो कि लिफ्ट लेकर लोगों को शिकार बनाती थीं। वहीं, दूसरे मामले में भी दो महिलाओं को पकड़ा गया है, जो मध्य प्रदेश से आकर दिल्ली में चोरी करती थीं। प्रमुख संवाददाता की रिपोर्ट...लिफ्ट मांगकर कारोबारी को लूटा राजधानी में लिफ्ट लेकर लूटपाट करने वाली महिलाओं का गिरोह सक्रिय है। पश्चिमी जिले के राजौरी गार्डन इलाके में मंगलवार रात दो महिलाओं ने कार में लिफ्ट लेकर कारोबारी को लूट लिया। हालांकि, कारोबारी ने तुरंत पुलिस को सूचना दे दी और दोनों पकड़ी गईं। आरोपी महिलाओं की पहचान 24 वर्षीय जीना और 30 वर्षीय पूजा के रूप में हुई है। दोनों दिल्ली के नजफाढ़ स्थित धर्मपुरा की रहने वाली हैं। पुलिस के अनुसार, 25 वर्षीय पीड़ित कारोबारी अंकुर परिवार के साथ उत्तम नगर में रहते हैं। वह मंगलवार रात 10 बजे पटेल नगर से अपने घर लौट रहे थे। रास्ते में राजौरी गार्डन रेड लाइट के पास उन्हें एक युवती ने हाथ देकर रोका। युवती ने अंकुर से मायापुरी तक के लिए लिफ्ट मांगी। कारोबारी ने उसे कार में बैठा लिया। इसी बीच उसकी एक साथी भी कार में बैठ गई। मायापुरी आते ही पीछे बैठी महिला ने पीड़ित का गला दबा दिया और आगे बैठी महिला ने उनसे गले की चेन, अंगूठी और पर्स छीन लिए। इस दौरान कार के पास एक ऑटो आकर रुका। महिला ने चेन कार से बाहर फेंक दी, जिसे ऑटो चालक चेन लेकर फरार हो गया। इसी बीच दोनों महिलाएं भी वहां से भाग गईं। कारोबारी ने तत्काल पुलिस को फोन कर लूटपाट की सूचना दे दी। पुलिस ने फौरन हरकत में आते हुए दोनों आरोपी महिलाओं को दबोच लिया। पुलिस फरार ऑटो चालक की तलाश कर रही है। मध्य प्रदेश से आकर दिल्ली चोरी की बैंक से पैसे निकालने वाले लोगों की रकम पर हाथ साफ करने वाली दो महिलाओं रचना और पूजा को मंगलवार को पुलिस ने संगम विहार से गिरफ्तार किया है। दोनों मध्य प्रदेश की रहने वाली हैं। ये मध्य प्रदेश से आकर दिल्ली में वारदातें करती थीं। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। इनकी उम्र 24 से 25 वर्ष के बीच है। इनसे चोरी के 50 हजार रुपये बरामद हुए हैं।

दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त रोमिल बानिया ने बताया कि आरोपियों ने बुलंदशहर निवासी राजबीर सिंह की जेब से 50 हजार रुपये निकाल लिए थे। यह रकम राजबीर ने बैंक से निकाली थी। वह संगम विहार स्थित आईटीबीपी सेंटर में काम करते हैं। ऐसे वारदात करती थीं पूछताछ में खुलासा हुआ कि महिला चोरनियों का गिरोह मध्य प्रदेश से दिल्ली आकर रेलवे स्टेशन पर रुकता था। फिर ये अलग-अलग इलाकों में जाकर बैंक से रकम निकालने वालों को निशाना बनाती थीं। पूजा पर मंदिर मार्ग, सफदजंग एंक्लेव और कोतवाली सहित कई इलाकों में वारदात करने का आरोप है, जबकि रचना के बारे में जानकारी एकत्र की जा रही है।

डीयू में डूटा की हड़ताल से कक्षाएं नहीं लगीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) के दो दिवसीय हड़ताल का असर बुधवार को भी देखने को मिला। हड़ताल में स्थायी शिक्षकों के साथ लगभग 4500 तदर्थ शिक्षकों ने हिस्सा लिया। इसकी वजह से डीयू के अधिकतर कॉलेजों में कक्षाएं नहीं चलीं।

नॉर्थ कैंपस स्थित खालसा कॉलेज, दौलतराम कॉलेज, हंसराज कॉलेज, सत्यवती कॉलेज, लक्ष्मीबाई कॉलेज आदि में बुधवार सुबह से ही स्टॉफ रूम तथा क्लासरूम खाली रहे। इस दौरान डूटा की टीम और अकादमिक परिषद के सदस्यों ने कई कॉलेजों का दौरा भी किया। वहीं, साउथ कैंपस स्थित पीजीडीएवी कॉलेज, देशबंधु कॉलेज, रामानुजन कॉलेज, भगत सिंह, वोकेशनल कॉलेज, श्री अरबिंदो कॉलेज, मोतीलाल नेहरू कॉलेज, राम लाल आनंद कॉलेज,आर्यभट्ट कॉलेज, एआरएसडी कॉलेजों में भी कक्षाएं प्रभावित हुईं। हालांकि, इस हड़ताल का असर पश्चिमी दिल्ली और दिल्ली देहात के भारती कॉलेज, भगिनी निवेदिता कॉलेज, भास्कराचार्य कॉलेज, दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज में देखने को नहीं मिला। यहां अतिथि शिक्षकों ने छात्रों की कक्षाएं लीं।

इन मुद्दों पर हो रही हड़ताल : डूटा ने डीयू के विधि संकाय से निकाले गए तदर्थ शिक्षकों, तदर्थ शिक्षकों को नियमित करने और सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों में शिक्षकों की अनदेखी के मुद्दे को लेकर हड़ताल का आह्वान किया है। डूटा के कार्यकारी परिषद के सदस्य प्रो. राजेश झा ने बताया कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने विश्वविद्यालयों व कॉलेजों को कहा है कि वे व्यय के लिए 30 फीसदी स्रोत खुद जुटाएं। इससे विश्वविद्यालयों में शिक्षा और महंगी होगी।

अकादमिक परिषद के सदस्य प्रो. हंसराज सुमन ने कहा कि वर्ष 2008 के बाद किसी प्रकार की पदोन्नति न होने के कारण शिक्षक नाराज हैं। वहीं, अवकाश प्राप्त शिक्षकों को वर्ष 2014 के बाद से पेंशन न मिलने से भी शिक्षकों में नाराजगी है।

आज यूजीसी कार्यालय तक मार्च : शिक्षकों ने गुरुवार को भी अपना प्रदर्शन जारी रखने का फैसला किया है। वे सुबह 11 बजे एकत्र होकर यूजीसी तक मार्च निकालेंगे। इनमें शिक्षकों के साथ छात्रों के भी शामिल होने की उम्मीद है।

पार्षद ने किया स्कूलों का निरीक्षण

नई दिल्ली। अनारकली वार्ड की पार्षद रेखा दीक्षित ने कई विद्यालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालयों की कक्षाओं में नए टाइल्स लगवाने, भूतल को नए सिरे से बनवाने व सीवर व्यवस्था ठीक करने, शौचालयों की बेहतर व्यवस्था एवं सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए प्रधानाचायरे को आदेश दिए। इस मौके पर कनिष्ठ अभियन्ता गजनफर अली, स्कूल निरीक्षक कमल कुमार, सफाई निरीक्षक प्रमेन्द्र शर्मा, सहायक सफाई निरीक्षक कृष्णा, मलेरिया निरीक्षक भूलेराम शर्मा आदि मौजूद थे।

शर्मनाक: बेटी को जान से मारने की धमकी देकर महिला से गैंगरेप

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमुनापार के पांडव नगर में 31 जनवरी को तीन युवकों ने पांच वर्षीय बेटी को जान से मारने की धमकी देकर 27 वर्षीय महिला के साथ गैंगरेप किया। मंगलवार को पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज करके तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की उम्र 22 से 23 वर्ष के बीच है, जो पांडव नगर में ही रहते हैं। पुलिस तीनों से पूछताछ कर रही है। पांडव नगर थाना पुलिस के मुताबिक, पीड़ित महिला परिवार के साथ पांडव नगर में ही रहती है। परिवार में पांच साल की बेटी और सात वर्ष का बेटा है। महिला का पति दिल्ली से बाहर रहता है। 31 जनवरी को एक जानकार युवक पीड़िता के घर पहुंचा। उसने घर का दरवाजा खोला, इसी दौरान उसके दो साथी भी जबरन अंदर घुस गए। आरोप है कि युवकों ने उसकी बेटी को पकड़ लिया और उसे जान से मारने की धमकी देकर महिला के साथ गैंगरेप किया। वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़िता ने लोकलाज के भय से तीन दिन तक किसी को कुछ नहीं बताया। मगर 4 फरवरी को उसने अपनी सहेली को सारी बात बता दी। सहेली के समझाने पर वह थाने पहुंची और पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने मंगलवार को आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

»» लाभ का पद मामला:

'आप' विधायकों को कोर्ट से राहत नहीं, 12 को अगली सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाभ के पद मामले में हाइकोर्ट में वीरवार की सुनवाई पूरी हो चुकी है। अब अगली सुनवाई सोमवार को होगी। आप के वकील ने हाई कोर्ट में कहा कि कई ऐसे विधायक हैं जिन्हें संसदीय सचिव बनाया गया लेकिन उन्होंने उस पद का कोई लाभ नहीं लिया है।

हाईकोर्ट ने विधायकों से पूछा यदि आप सरकारी और कार्यालय जैसी सुविधाएँ पाने के हकदार थे, तो भले ही आपने सुविधा का लाभ न लिया हो, लेकिन उस पद पर रहते हुए यह लाभ के पद की श्रेणी में कैसे नहीं आता है। विधायकों ने कहा कि यह लाभ का मामला नहीं बनता है क्योंकि हाई कोर्ट ने उनकी नियुक्ति को ही अवैध ठहराया था। इस पर हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि हाईकोर्ट का फैसला आने से पहले आप अपने पद पर रहे हैं।

दिल्ली : बैरिकेडों में लगे तार में फंस कर बाइक सवार की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उत्तर पश्चिम दिल्ली के शकूरपुर इलाके में दिल्ली पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई है। पुलिस बैरिकेडों के बीच लगे तार में उलझकर बाइक सवार 21 साल के एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान अभिषेक के रूप में हुई है। जो ओला कैब चलाता है और डीजे का भी काम करता है। वहीं इस मामले में एसएचओ सुभाष प्लेस अरविंद शर्मा को लाइन हाजिर कर दिया गया है। साथ ही पांच पुलिसकर्मियों को निलम्बित कर दिया गया है।जानकारी के अनुसार बुधवार रात को शकूरपुर जेजे कालोनी ए ब्लाक में पुलिस की पिकेट लगी हुई थी। इसी दौरान पुलिस की बैरिकेड लगी हुई थी।

एक बैरिकेड बिजली के खम्भे से तार से बंधा हुआ था। तभी अभिषेक बाइक से वहां गुजर रहा था और उसकी बाइक तार में फंस गया और वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

गैरमान्यता-प्राप्त स्कूल बंद करें शिक्षण गतिविधि

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी में चल रहे सभी गैरमान्यता-प्राप्त स्कूलों को अगले शिक्षण सत्र से सभी शिक्षण गतिविधियों को बंद करने के आदेश दिए हैं। गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों को यह चेतावनी जारी कर दी गई है। शिक्षा निदेशालय के आदेश में कहा गया है कि हमारे संज्ञान में आया है कि अनेक गैरमान्यता-प्राप्त निजी स्कूल उपयुक्त प्राधिकार से मान्यता का आवश्यक प्रमाणपत्र लिए बगैर चल रहे हैं, जो शिक्षा के अधिकार कानून का उल्लंघन है। गैर मान्यता प्राप्त स्कूल चला रही सभी सोसाइटियों, ट्रस्टों, एजेंसियों, संगठनों अथवा निजी व्यक्तियों को शिक्षण सत्र 2018-19 से शिक्षण गतिविधियां बंद करने के निर्देश दिए जाते हैं।

लूट की घटनाओं पर लगाम के लिए पुलिस की सक्रियता जरुरी: अदालत

नई दिल्ली (एजेंसी)। हेमलता कौशिक दिल्ली में लूट और झपटमारी की लगातार बढ़ती घटनाओं पर अदालत ने चिंता जाहिर की है। दिनदहाड़े लूट और झपटमारी लोगों के कानून के शासन पर विश्वास को डगमगा रही है।

पुलिस को अपनी सक्रियता बढ़ानी होगी, अन्यथा अपराधियों के हौसले बुलंद हो जाएंगे।

अदालत ने यह टिप्पणी दिनदहाड़े एक व्यक्ति से हथियार के बल पर मोबाइल, नकदी और अन्य कीमती सामान लूटने के मामले में फैसला सुनाते हुए की। अदालत ने मामले में दोषी पाए गए युवकों राशिद, सुहैल व राजू को पांच-पांच साल जेल की सजा सुनाई है। अभियुक्तों पर दस-दस हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश राजीव कुमार की अदालत ने कहा कि सुनवाई के दौरान चौंकाने वाली बात सामने आई कि मामले के प्रत्येक आरोपी के खिलाफ ऐसे ही केस कई अदालतों में लंबित हैं। अदालत ने कहा कि यह तो वह मुकदमा है, जो पांच साल से ज्यादा पुराना है। वर्तमान स्थिति ज्यादा भयभीत करने वाली है। आए दिन ऐसी खबरें आती हैं कि लूट या झपटमारी के दौरान बदमाश पीड़ित को शारीरिक नुकसान भी पहुंचा देते हैं।

अदालत ने पुलिस को कहा कि कानून पर लोगों का भरोसा बना रहे, इसके लिए उसे अपनी सक्रियता बढ़ानी होगी। लोग भी सावधानी बरतेंअदालत ने अपने फैसले में कहा कि राजधानी में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। ऐसे हालात में लोग अपने स्तर पर भी सावधानी बरतें। संदिग्ध को देखते ही पुलिस को सूचित करें और एक-दूसरे की मदद के लिए आगे आएं। अपने मोबाइल के एमरजेंसी नंबर को स्पीड डायल पर रखें।

पांच साल में लूट-झपटमारी में बेतहाशा बढ़ोतरीअदालत ने कहा कि पिछले पांच साल में लूट और झपटमारी की वारदातों में बेतहाश बढ़ोतरी हुई है। पहले अपराधी सुनसान इलाकों में शिकार ढूंढ़ते थे, मगर अब भीड़भड़ वाले इलाकों में सबसे ज्यादा लूट और झपटमारी हो रही हैं। शाम सात बजे वारदात हुई थीबाहरी दिल्ली के रजौपुरा में रहने वाला मुकुल 27 अप्रैल 2011 को शाम सात बजे घर लौट रहा था।

बाइपास के पास उसे तीन लड़कों ने रोक लिया। युवकों ने मुकुल के कनपटी पर तमंचा रखकर धमकाया और नगदी एवं कीमती सामान लूट लिया। घटना के एक महीने बाद मोबाइल फोन की लोकेशन से आरोपियों की गिरफ्तारी हुई थी।

जब आप जागृत अवस्था में होते हैं, तो ही सर्वश्रेष्ठ स्वप्नों का सृजन होता है
- चैरी ग्लाइडरब्लूम

सुरक्षाकर्मियों की हत्या

कश्मीर को लेकर सब सहज हो गए हैं। पहले तंत्र और फिर उसकी देखा-देखी शायद लोक चेतना भी। यह इसी का परिणाम है कि दो सुरक्षाकर्मियों की हत्या कर कश्मीर के प्रतिष्ठित अस्पताल से पाकिस्तानी आतंकवादी को छुड़ा ले जाने जैसी बड़ी घटना देश स्तर पर वैसी सुर्खियां नहीं पा सकीं। कहीं कोई शिकायत नहीं थी। यह ठंडा-सा भाव उस स्थिति में आता है, जब आप घटित हो रहे को नियति मान लेते हैं। कश्मीर और उससे लगती पाकिस्तान-सीमा से एक-दो दिन के अंतर पर घरों को लौटते ताबूत अगर रिवाज बन जाएं तो परिदृश्य उस सोच से भिन्न कैसे बनेगा! लेकिन कश्मीर की इस चुनौतीपूर्ण दुस्साहिक घटना के कुछ खतरनाक मायने हैं। उनको समझना चाहिए। यह कि पिछले साल पस्त पड़ता दिखा आतंकवाद नौंवे दशक वाले तेवर में दोहराव की धमक दे रहा है। जब आए दिन आतंकवादी ऐसे ही जहां कहीं नमूदार हो जाते और हिंसक कारनामे कर सुरक्षा तंत्र को लाचार बना जाते थे। हालांकि तब से भारतीय जवाबी कार्रवाई ज्यादा समर्थ हो गईहै। ऐसी कि आतंकवादी संगठन अपने सरदार नियुक्त करने तक से कांपने लगे थे। कश्मीर आने के लिए किसी आतंकी के तैयार न होने के दावे भी थे। इस ताजा वारदात ने जाहिर किया कि आतंकवादी उस खौफ से बाहर आ गए हैं। यह हमारे हक में नहीं है। निश्चित रूप से यह जोखिम के गलत आकलन और सुरक्षा में गंभीर चूक का मामला है। इसकी घोषित जांच उन बिंदुओं को उजागर भी करेगी। अभी तो यही है कि इलाज के लिए करीब के अन्य अस्पतालों को छोड़ कर हरी सिंह तक ले आने का फैसला कैसे एवं किन हालातों में लिया गया? लेकिन इसके साथ उन वजहों पर गौर करना चाहिए कि आतंकवादी संगठनों में शामिल होने वाले नौजवानों की दर में साल दर साल इजाफा कैसे हो रहा है! 2016 के 88 की तुलना में गत साल 126 युवक आतंकवादी बने, जबकि सख्ती और गुमराह युवकों को मुख्य धारा से जोड़ने की कितनी कवायदें जारी रखी गई। इनके बावजूद 2017 में कश्मीर में सबसे ज्यादा सुरक्षाकर्मी मारे गए। नये साल में भी वह ट्रेंड जारी है। दो दिन पहले ही चार ताबूतों में जवान आए हैं। इससे सख्ती के असरकारक होने पर सवाल उठने लगे हैं। कांग्रेस का आकलन है कि कश्मीर और बदतर की तरफ है पर सरकार का ध्यान नहीं है।

विपक्ष के आरोप

पक्षी दलों ने मंगलवार को राज्य सभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू द्वारा सदन का संचालन करने की कार्यशैली पर सवाल खड़े करके सत्ता पक्ष को असहज कर दिया। विपक्ष का आरोप है कि जब कभी वे जनहित और देश से संबंधित महत्त्वपूर्ण मुद्दों को उठाना चाहते हैं, सदन को स्थगित करके उनकी आवाज को दबा दिया जाता है। हालांकि सभापति नायडू ने विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उनका मानना है कि विपक्ष सदन में हंगामा खड़ा करके कार्यवाही को बाधित करता है, लिहाजा सदन को स्थगित करना पड़ता है। संसद राष्ट्रीय कानूनों का निर्माण करने वाली सर्वोच्च संस्था है, और सांसद जनता की आवाज हैं। संविधान ने सांसदों को जिन चार महत्वपूर्ण कायरे की जिम्मेवारी सौंपी है, उनमें से एक संसद में जनहित के मुद्दों को उठाना भी है। इसलिए लोक सभा के अध्यक्ष और राज्य सभा के सभापति दोनों से यह अपेक्षा रहती है कि वे सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ओर के सांसदों को अपनी बात रखने का समुचित अवसर देंगे। उनकी कोशिश भी रहती है कि सदन का संचालन नियमों के अनुसार हो। बावजूद इसके विपक्ष की शिकायत रहती है कि उसे अपनी बात रखने का अवसर नहीं मिलता। भारतीय संसद के इतिहास में इस तरह के आरोप नये नहीं हैं। जब कांग्रेस सत्ता पक्ष में थी, तब भाजपा समेत अन्य विपक्षी दल भी इसी तर्ज पर आरोप लगाया करते थे। इन आरोपों-प्रत्यारोपों से संसद की कार्यवाही अनावश्यक रूप से बाधित होती है। वे संसद की भूमिका को और ज्यादा प्रभावकारी कैसे बनाएं। सांसदों की यह लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है कि संसद में प्रस्तुत किए जाने वाले विधेयकों की बारीकी से जांच करें। लेकिन सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध के कारण ऐसा हो नहीं पाता है। यही वजह है कि बिना जांचे-परखे बीस मिनट में आठ विधेयक पारित कर दिए जाते हैं। जाहिर है कि इससे कानूनों की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। लोक सभा के अध्यक्ष और राज्य सभा के सभापति दोनों सदन के नियमानुसार ही सदन का संचालन करते हैं। सदन को कब स्थगित करना है, यह उनका विवेकाधिकार है। इसे कोईचुनौती नहीं दे सकता। लेकिन इतना जरूर है कि उन्हें इस अधिकार के इस्तेमाल करने में कंजूसी बरतनी चाहिए ताकि सदन का कामकाज प्रभावित न हो। और विपक्ष को भी शिकायत करने का मौका न मिले।

सत्संग

आत्मिक प्रफुल्लता

उभारने और संप्रेषित करने में गायन का महत्त्व हमेशा रहा है, और आज भी है। अभिव्यक्ति के गद्य, पद्य और गायन, तीन माध्यम हैं। गायन को भाव विधा से अग्रणी देखकर विशेष महत्त्व दिया गया। ज्ञान की अभिव्यक्ति की इन तीन विधाओं के कारण वेद को तीन प्रवाहों युक्त वेदत्रयी कहा गया। भाव तरंगों के रहस्यमय दिव्य प्रयोगों को संपन्न करने वाले गान के मंत्रों को अपेक्षाकृत कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण माना गया है। तभी इसके प्रयोग प्रत्येक शुभ कार्य के प्रारंभ में करने का स्पष्ट निर्देश है। बात भी सही है कि पद्य, गद्य और गायन में से मन पर गायन का विशेष प्रभाव पड़ता है। इसका अनुभव हम सबको सामान्य जीवन क्रम में भी होता रहता है। गायन से पीड़ित हृदय को शांति और संतोष मिलता है। इससे मनुष्य की सृजन-शक्ति का विकास और आत्मिक प्रफुल्लता बढ़ती है। सच कहें तो गायन की अमूल्य निधि देकर परमात्मा ने मनुष्य की पीड़ा को कम किया है। मानवीय गुणों में प्रेम और प्रसन्नता को बढ़ाया है। संगीत में प्रमुखत: षड्ज, ऋषभ, गांधार, मध्यम, पंचम, धैवत, निषाद स्वरों में कुल 22 श्रुतियां हैं। इन श्रुतियों के गायन द्वारा उत्पन्न होने वाले भौतिक एवं चेतनात्मक प्रभाव अनुपम हैं। औषधियां जिस प्रकार मूल द्रव्यों के रासायनिक सम्मिशण्रसे उत्पन्न होने वाले अतिरिक्त प्रभाव के कारण विभिन्न रोगों पर अपना प्रभाव डालती हैं, उसी प्रकार इन बाईस शक्तियों के सम्मिशण्रका वस्तुओं और प्राणियों पर प्रभाव पड़ता है। वैदिक काल में इस रहस्यमय विज्ञान के ज्ञाता, मंत्र गायन, भाव मुद्राओं और रसानुभूतियों के आधार पर अपने अंतराल में दबी हुई शक्तियों को जगाते थे, और संपर्क में आने वाले प्राणी मात्र की व्यथा वेदना हरते थे। ईर प्राप्ति के लिए भक्ति भावनाओं के विकास में गायन का योगदान असाधारण है। ऋग्वेद में ईर अपने शिष्य को कहते हैं, ''अपने आत्मिक उत्थान को प्राप्त करने के लिए संगीत के साथ उसे पुकारोगे तो वह तुम्हारी हृदय गुहा में प्रकट होकर अपना प्यार प्रदान करेगा।' संगीत के दृश्य-अदृश्य प्रभावों के अनुसंधान में रत ऋषियों को ऐसी चमत्कारी शक्तियों, सिद्धियों और अध्यात्म का इतना विशाल क्षेत्र उपलब्ध हुआ, जिसे वर्णन करने के लिए सामवेद की रचना करनी पड़ी। नि:संदेह संगीत में शक्ति है और उसका लाभ संगीत में रस लेने वाले को अवश्य मिलता है।

सरकार की नीतियों

राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के अंतर्कलह की कथा की पुनरावृत्ति अब राज्यों में भी नजर आने लगी है। इसका ताजा उदाहरण झारखंड है। झारखंड में भाजपा के सत्ता पर काबिज होने के साथ ही अंदरखाने नाराजगी की फुसफुसाहट सुनाई देने लगी थी, जो अब मुखर होकर आचरण और बोली के रूप में मुखर हो रही है। रघुवर दास को मुख्यमंत्री बनाए जाने के साथ ही पार्टी के कद्दावर नेता सरयू राय की जिस तरह उपेक्षा हुई, उसे जहर के घूंट के रूप में उन्होंने ग्रहण तो कर लिया लेकिन मन की मलिनता बरकरार रही। समय-समय पर उन्होंने अपने आचरण और दबी जुबान बयानबाजी से इसे जाहिर भी किया। मंत्रिमंडल की बैठकों में पेश किए गए कुछ प्रस्तावों पर आपत्ति जताते हुए।

सतीश पेडणोकर

राष्ट्रीय राजनीति में हाल तक ऊष्मा का केंद्र बने गुजरात और राजस्थान में ताप थोड़ा कम हो गया है, लेकिन इसकी तपिश अब दूसरे राज्यों में महसूस की जाने लगी है। सत्ता से दूर रह जाने के बावजूद गुजरात में कांग्रेस का उभार डूबते को तिनके का सहारा साबित हो रहा है। राजस्थान में भाजपा की सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवारों की जीत ने उसे संजीवनी प्रदान कर दी है। इसका सकारात्मक और सीधा असर विपक्ष पर दिख रहा है। विपक्ष की उम्मीदों में चार चांद जोड़ने में भाजपा के कुछ कद्दावर विक्षुब्ध नेताओं की भी अहम भूमिका है। यशवंत सिन्हा, शत्रुघ्न सिन्हा और कीर्ति आजाद जैसे भाजपा नेताओं ने अपनी ही सरकार की नीतियों-कार्यक्रमों की आलोचना कर भाजपा में विक्षुब्धों को वाणी प्रदान कर दी है। राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के अंतर्कलह की कथा की पुनरावृत्ति अब राज्यों में भी नजर आने लगी है। इसका ताजा उदाहरण झारखंड है। झारखंड में भाजपा के सत्ता पर काबिज होने के साथ ही अंदरखाने नाराजगी की फुसफुसाहट सुनाई देने लगी थी, जो अब मुखर होकर आचरण और बोली के रूप में मुखर हो रही है। रघुवर दास को मुख्यमंत्री बनाए जाने के साथ ही पार्टी के कद्दावर नेता सरयू राय की जिस तरह उपेक्षा हुई, उसे जहर के घूंट के रूप में उन्होंने ग्रहण तो कर लिया लेकिन मन की मलिनता बरकरार रही। समय-समय पर उन्होंने अपने आचरण और दबी जुबान बयानबाजी से इसे जाहिर भी किया। मंत्रिमंडल की बैठकों में पेश किए गए कुछ प्रस्तावों पर आपत्ति जताते हुए उन्होंने बैठक का बहिष्कार कर यह संकेत दे दिया था कि झारखंड भाजपा के भीतर सब कुछ ठीकठाक नहीं है। समय-समय पर वह बेहिचक सरकार के खिलाफ आवाज उठाते रहे। चारा घोटाले में लालू के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने वाले के रूप में अपनी पहचान बना चुके सरयू राय ने प्रदेश की मुख्य सचिव राजबाला वर्मा के खिलाफ इस मुद्दे पर मोर्चा खोल दिया कि इस चर्चित घोटाले में उनका भी नाम आया, पर उन पर सरकार कार्रवाई नहीं कर रही है। उनका कहना है कि राज्य सरकार जान-बूझ कर राजबाला वर्मा को बचा रही है। इसी बीच विधानसभा का सत्र नहीं चल पाने को मुद्दा बना कर सरयू राय ने संसदीय मामलों के अपने मंत्रिमंडलीय दायित्व से इस्तीफा भी दे दिया है।

इस्तीफे के बाद वह ज्यादा मुखर हो रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार अपने विधायकों की बात नहीं सुन रही है। अफसर काम नहीं कर रहे हैं। सरयू राय ऐसे नाराज दलीय नेताओं का मुखौटा बन गए हैं। उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा भी शामिल हो गए हैं। सनद रहे कि विधानसभा चुनाव हारने के बाद मुंडा इन दिनों हाशिये पर चल रहे हैं। इस्तीफे के बाद सरयू राय ने दिल्ली में डेरा डाल दिया है। जाहिर है कि वह दिल्ली में पार्टी के बड़े नेताओं के सामने झारखंड भाजपा के अंदरूनी हालात से लेकर आसन्न चुनाव में दल की दुर्गति की आशंकाओं पर बता रहे होंगे। इस बीच, मुंडा भी दिल्ली के दौरे पर चले गए हैं। राज्य में भूमि संबंधी सीएनटी कानून में संशोधन के सवाल पर जिस तरह विपक्ष को राज्य सरकार ने मौका दिया है, उससे मुंडा भी दुखी बताए जाते हैं। दबी जुबान ही सही, उन्होंने कई दफा इसका विरोध भी किया है। हालांकि सीधे विरोध की जगह उन्होंने पुनर्विचार जैसे शब्द का प्रयोग अपने भाषणों में कई दफा किया है। झारखंड में जितनी आसानी से भाजपा ने पिछले चुनाव में जीत हासिल की थी, उतनी ही कड़ी चुनौती विपक्ष से मिलने की आशंका बलवती हो गई है। आदिवासी और गैर- आदिवासी के बीच खाई इतनी चौड़ी हो गई है कि इसका लाभ बिन मांगे या बिना कोई श्रम किए विपक्षी दलों को मिलना स्वाभाविक है। भाजपा से अलग होकर झारखंड विकास मोर्चा बनाने वाले बाबू लाल मरांडी और झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन की बढ़ती नजदीकी इसे बताने के लिए काफी है। इतना ही नहीं, झारखंड में विपक्षी एकता की मुहिम को हवा लालू के वहां की जेल में बंद रहने से भी मिल रही है। जेल में मुलाकात के लिए शरद यादव के साथ मरांडी भी जेल पहुंचे। बाबू लाल और हेमंत सोरेन पहले से ही करीब होने का प्रदर्शन कर चुके हैं। विधानसभा में राजबाला वर्मा के मुद्दे पर सदन न चलने की वजह विपक्ष की एकता ही रही, जिसे मुद्दा बना कर सरयू राय ने संसदीय विभाग के मंत्री का पद छोड़ दिया यानी झारखंड में अगले आम चुनाव और विधानसभा चुनाव में विपक्ष की एका तो दिखेगी ही, रघुवर सरकार से नाराज अपने लोगों का कोपभाजन भी भाजपा को बनना पड़ सकता है। लालू प्रसाद को सजा के साथ ही इस आशंका को बल मिला कि अब राजद सबल नेतृत्व के अभाव में दम तोड़ देगा। यहां तो जेल से लालू प्रसाद विपक्षी एकता के प्रयासों में जुट गए हैं। यह सच्चाई भी है कि फिलवक्त भाजपा-आरएसएस के खिलाफ दबंग आवाज उठाने वाले दल के रूप में राजद की ही पहचान है। यह जानते हुए भी कि लालू प्रसाद पहली बार जेल यात्रा पर नहीं गए हैं, और उनकी संसदीय राजनीति पर विराम भी लग चुका है, लोगों की उत्सुकता, खासकर विपक्षी दलों की इस बात को लेकर है कि लालू प्रसाद के बिना क्या राजद उतने ही मुखर ढंग से विपक्ष की आवाज बना रहेगा या शिथिल पड़ जाएगा। शिथिल पड़ने की आशंका इस बात को लेकर है कि लालू प्रसाद के साथ उनका पूरा परिवार जांच एजेंसियों के राडार पर है। किसी भी सदस्य के साथ कभी भी कानूनी कार्रवाई जोर पकड़ सकती है। अगर ऐसा हुआ तब राजद का क्या होगा। कुछ लोग तो लालू प्रसाद के जेल जाने पर पार्टी में विघटन की संभावना भी देखने लगे थे, लेकिन यहां सब कुछ पलट गया लगता है। लालू प्रसाद जेल से ही विपक्षी एकता का बिगुल फूंक रहे हैं।

विपक्ष की एकता को गुजरात में भाजपा को कांग्रेस से मिली कड़ी टक्कर और राजस्थान के उपचुनावों में तीनों सीटों पर भाजपा की पराजय ने काफी बल दिया है। बहरहाल, इसी कड़ी में झारखंड में भाजपा को विपक्ष और अपने ही दल के भीतर से कड़ी चुनौती के संकेत मिलने से यह अनुमान लगाना कठिन नहीं कि भाजपा के लिए झारखंड में आने वाले दिनों में राह आसान नहीं होगी।

चलते चलते

हबड़-दबड

मोटरसाइकिलें गुर्रा रही थीं। मोटर साइकिल सवार चिल्ला रहे थे। डंडों पर झंडे फड़फड़ा रहे थे-तिरंगे भी, इकरंगे भी। झंडा यात्रा निकल रही थी।धक्का लगाते हुए झंडा यात्रा आगे बढ़ी। मुंह से बरबस निकल गया-देख कर नहीं चल सकते। मोटरसाइकिल चालक ने डपट कर जवाब दिया-दीखता नहीं है, झंडा यात्रा निकल रही है। पिछली सीट पर सवार झंडाधारी इतने से संतुष्ट नहीं हुआ।

बच्चो के शोर से पलट कर देखा। मोटरसाइकिल का पहिया पांव पर चढ़ चुका था। लोग हबड़-दबड़ में सड़क पर इधर-उधर भाग रहे थे। मोटरसाइकिलें गुर्रा रही थीं। मोटरसाइकिल सवार चिल्ला रहे थे। डंडों पर झंडे फड़फड़ा रहे थे-तिरंगे भी, इकरंगे भी। झंडा यात्रा निकल रही थी।धक्का लगाते हुए झंडा यात्रा आगे बढ़ी। मुंह से बरबस निकल गया-देख कर नहीं चल सकते। मोटरसाइकिल चालक ने डपट कर जवाब दिया-दीखता नहीं है, झंडा यात्रा निकल रही है। पिछली सीट पर सवार झंडाधारी इतने से संतुष्ट नहीं हुआ। डंडे का झंडे वाला सिरा चेहरे के ऐन आगे नचाते हुए बोला-तू झंडे के रास्ते में कैसे आया? मोटरसाइकिलें रुक गई। झंडाधारी मोटरसाइकिल सवारों ने उतर कर घेर लिया। डंडों, झंडों और मुटंडों के घेरे में एक ही सवाल सुनाई देता था-झंडे के रास्ते में कैसे आ गया! मैं क्यों किसी के रास्ते में आता? मैं तो अपने रास्ते जा रहा था? आप लोग ही..। उन्होंने बीच में ही बात काट दी। आप नहीं, झंडा बोल, झंडा। तू क्या कहना चाहता है, झंडा तेरे रास्ते में आ गया? तो यह रास्ता तेरा है, और झंडा कहीं और से बीच में आ गया! भारत में यह झंडा बाहर का हो गया और तू यहां का! इतना भी नहीं सोचा कि भारत का झंडा भारत में नहीं फहराएगा तो क्या पाकिस्तान में फहराएगा? यह झंडा भारत में यात्रा पर नहीं जाएगा तो क्या पाकिस्तान में यात्रा पर जाएगा? तेरी हिम्मत कैसे हुई झंडा यात्रा के रास्ते पर सवाल उठाने की? भारत का झंडा है, भारत में कहीं भी जाएगा। भारत में कहीं भी फहराया जाएगा, कासगंज में भी। जिसे परेशानी हो, खुद पाकिस्तान चला जाए या हम कब्रिस्तान पहुंचा देंगे। नारा लगाने लगे-भारत में अगर रहना होगा, झंडा-झंडा कहना होगा। पर यह तो भारत का झंडा भी नहीं है। यह तो तिरंगा नहीं इकरंगा है-सिर्फ केसरिया। अब उन्होंने केसरिया पीछे कर के तिरंगा आगे कर दिया। फिर कहने लगे-वैसे केसरिया भी तो भारत का ही झंडा है। एक से भले दो। पूछा-आगे किसे रखेंगे, तिरंगा या केसरिया? वे दर्शन पकड़ा कर निकल गए-आगे-पीछे से क्या है, बस, झंडा ऊंचा रहना चाहिए।

फोटोग्राफी...

ब्रिटिश संसद में फरवरी 1918 का वह दिन ऐतिहासिक था, जब चुनाव में महिलाओं को मतदान करने का अधिकार प्रदान किया गया। तब से लेकर आज तक उसके 100 वर्ष पूरे हो गए हैं। इस मौके पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री थे रेसा मे,संसद की महिला सदस्यगण एवं उनकी सहयोगियों ने पैलेस ऑफ वेस्टमस्टिर में ग्रुप फोटो देकर उस दिन को याद किया। इनमें ब्रिटेन ही नहीं, भारतीय मूल सहित कई देशों की महिलाएं शामिल हैं। ब्रिटिश प्रधानमंत्री थे रेसा मे (मध्य) उस अधिनियम की मूल प्रति के समक्ष खड़ी हैं, जिसने वहां महि लाओं को यह अधिकार दिया। 61928 में जब यह कानून बना, तब 30 या इससे अधिक उम्र की महिलाओं को मतदान का अधिकार मिला। 1928 में इसे प्रभावी रूप से लागू किया गया। न्यू जीलैंड पहला देश है जिसने 1893 में ही महि लाओं को मतदान का अधिकार दिया था। ब्रिटेन के ऐसा करने के बाद कई देशों ने यह अधिकार महिलाओं को प्रदान कि या। estrepublicain.fr

गैर-सरकारी संगठन की याचिका

बहुत लंबे संघर्ष के बाद निष्क्रिय इच्छा मृत्यु (पैसिव यूथनेसिया) देने पर राजनीतिक और कानूनी स्तर पर सहमति तकरीबन बन चुकी है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने कड़ी शतरे के साथ निष्क्रिय इच्छा मृत्य की इजाजत देने की तैयारी कर ली है। ज्ञात हो कि शीर्ष अदालत ने कुछ समय पहले केंद्र सरकार से इच्छा मृत्यु को कानूनी आधार देने की अर्जी पर अपना पक्ष रखने को कहा था। कोर्ट ने यह बात कॉमन कॉज नामक गैर-सरकारी संगठन की याचिका पर सुनवाई के दौरान कही थी। दरअसल, इस संबध में न्यायमूर्ति अनिल दवे की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने एडिशनल सॉलिसिटर जनरल पीएस पटवालिया को इस संबध में सरकार की ओर से निर्देश लाने के लिए कहा था। इसके अलावा विधि आयोग की 241वीं रिपोर्ट में भी कुछ निश्चित दिशा-निर्देशों के साथ निष्क्रिय इच्छा मृत्यु की इजाजत देने का समर्थन भी किया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी कर रहे प्रशांत भूषण का कहना था कि वेंटिलेटर पर रखे व्यक्ति, जिसके बचने की उम्मीद न हो, को जीवन समाप्त करने की इजाजत मिलनी चाहिए। यह भी तर्क था कि जिस व्यक्ति को पता हो कि उसकी जान नहीं बच सकती तो उसे फिर वेंटिलेटर पर रखने की पीड़ा को सहन करने का दबाव क्यों डाला जाना चाहिए। हालांकि अब से पहले सरकार ने इस मुद्दे का कड़ा विरोध करते हुए इसे आत्महत्या करार दिया था। इच्छा मृत्यु के मामले से तस्वीर अभी तक पूरी तरह साफ नहीं थी। विगत समय में देखें तो सुप्रीम कोर्ट में इससे जुड़े दो निर्णय हमारे सामने हैं। पहला, अनुच्छेद-21 में गरिमा के साथ जीने के अधिकार से जुड़ा है। परंतु इसमें लोगों का तर्क है कि अगर इसमें जीने का अधिकार शामिल है, तो इसमें गरिमा के साथ मरने का अधिकार भी शामिल होना चाहिए। परंतु 1996 में सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञान कौर बनाम पंजाब सरकार के मामले में स्पष्ट किया कि अनुच्छेद-21 में जीवन जीने के अधिकार में मृत्युवरण का अधिकार शामिल नहीं है। अगर इसमें शामिल करते भी हैं, तो यह आईपीसी की धारा 306 और 309 में आत्महत्या का अपराध माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने दूसरा फैसला 7 मार्च, 2011 को मुबई के किंग एडर्वड मेमोरियल अस्पताल की नर्स अरुणा रामचन्द्र शानबाग, जो यौन शोषण के बाद वहां लंबे समय से कोमा में थीं, के मामले में सुनाया था। इस फैसले से साफ हो गया था कि यदि शानबाग के कानूनी रक्षक चाहें तो उन्हें जीवित रखने वाले सपोर्ट सिस्टम को हटाया जा सकता है। रुणा शानबाग ने उसी अस्पताल में लंबे समय तक नसरे की देखरेख में रहते हुए आखिर में अपने प्राण त्याग दिए परंतु उसके जाते-जाते तक इच्छा मृत्यु पर बहस अधूरी ही बनी रही। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के इन दोनों फैसलों का आशय तो समान ही था परंतु उसमें निष्क्रिय इच्छा मृत्यु से जुड़ी कोई राय साफ न होने से उसमें कानूनी उलझन अभी तक भी बनी हुई है। इच्छा मृत्यु पर देश में अभी कोई स्पष्ट कानून न होने से गंभीर मरीजों के सामने बहुत परेशानी हैं। जब तक कोई स्पष्ट कानून नहीं बनता तब तक शीर्ष अदालत का यही निर्णय लागू रहेगा। भारत के लिए निष्क्रिय इच्छा मृत्यु का वरण करना निश्चित ही बहुत ही संवेदनशील मामला है। भारत जैसे उदार देश में कानूनों की आड़ में उसके दुरुपयोग की भी पूरी-पूरी संभावनाएं मौजूद हैं। खुशी की बात है कि इच्छा मृत्यु के तमाम नैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक पहलुओं के मद्देनजर सरकार और शीर्ष अदालत दुखित जीवन को मोक्ष के अंतिम पायदान पर ले जाने की न्यायोचित व्यवस्था करने की तैयारी में है। लगता है कि देश ऊहापोह की उलझन से बहुत जल्द मुक्त होकर राहत की सांस लेगा।

अंकिता रैना की जीत से भारत मुकाबले में बरकरार

नयी दिल्ली। करमन कौर थांडी की पहले एकल में हार के बाद अंकिता रैना ने एक बार फिर मौके पर उम्दा प्रदर्शन करके भारत को फेड कप एशिया ओशियाना ग्रुप एक मुकाबले में कजाखस्तान के खिलाफ 1-1 से बराबरी दिलाई। उन्नीस बरस की करमन को विश्व रैंकिंग में 55वें स्थान पर काबिज जरीना दियास ने 6-3, 6-2 से हराया । बाद में अंकिता ने यूलिना पुतिनत्सेवा को 6-3, 1-6, 6-4 से हराया। अंकिता ने बुधवार चीन की लिन झू को हराया था जबकि करमन पहला मुकाबला हार गई थी। भारत के लिये गुरुवार का यह मुकाबला जीतना जरूरी है ताकि विश्व ग्रुप प्लेआफ की दौड़ में बना रहे। अब अंकिता और प्रार्थना थोंबरे का सामना गोजाल ए और जिबेक कुलामबायेवा से होगा। करमन को जमने में कुछ समय लगा और दूसरे गेम में सर्विस टूटने के बाद उसने संभलकर वापसी की। दियास ने एक समय 4-1 की बढत बना ली लेकिन फिर करमन ने वापसी करते हुए अंक जुटाये। उसने आक्रामक खेल दिखाते हुए सातवें गेम में तीन ब्रेकप्वाइंट हासिल किये और दूसरे को भुनाया। अगले गेम में हालांकि उसकी सर्विस टूटी। दियास ने अगले गेम में करमन की सर्विस फिर तोड़कर सेट जीत लिया। दूसरे सेट में भी करमन के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा और उसने फोरहैंड पर कई गलतियां की। पांचवें गेम में वह 30-0 से आगे थी लेकिन उसकी लय टूटी जब उसने विवादित काल पर रिप्ले लिया। कप्तान अंकिता भांबरी की चेयर अंपायर से बहस भी हुई जिसका असर करमन के खेल पर पड़ा और उसने दो डबलफाल्ट कर डाले। इसके बाद मैच में वापसी का कोई रास्ता नहीं बचा था।

सिंधू जीती लेकिन भारत जापान से हारकर भी क्वार्टर फाइनल में

एलोर सेतार (मलेशिया)। भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप में जापान से 1-4 से हारकर भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। भारतीयों में से सिर्फ पी वी सिंधू ने जीत दर्ज की। उसने दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची को सीधे गेम में हराया। इस हार के बावजूद भारत पुरूष और महिला दोनों वर्गों में क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया। भारतीय टीम ग्रुप डब्ल्यू में दूसरे स्थान पर रही जिसने एक मैच जीता और एक हारा। सिंधू की अगुवाई वाली टीम ने हांगकांग को 3-2 से हराया था। पुरूष टीम फिलीपीन और मालदीव को 5-0 से हराकर ग्रुप डी से अंतिम आठ में पहुंच गई। भारतीय पुरूष टीम का सामना अब इंडोनेशिया से होगा। ओलंपिक रजत पदक विजेता सिंधू ने यामागुची को 21-19, 21-15 से हराया। अब उसका यामागुची के खिलाफ रिकार्ड 5-3 का हो गया है। भारत की श्रीकृष्णा प्रिया के को दुनिया की 13वें नंबर की खिलाड़ी सयाका सातो ने 21-12, 21-10 से हराया। युगल विशेषज्ञ अश्विनी पोनप्पा को दुनिया की 16वें नंबर की खिलाड़ी अया ओहोरी ने 21-14, 21-12 से मात दी। युगल में संयोगिता घोरपडे और प्राजक्ता सावंत को शिहो तनाका और कोहारू योनेमोतो ने 21-17, 21-17 से हराया। वहीं एन सिक्की रेड्डी और पोनप्पा को मिसाकी मत्सुतोमो और अयाका तकाहाशी ने 21-18, 21-18 से शिकस्त दी।

करमन कौर थांडी की हार से भारत कजाखस्तान से पिछड़ा

नयी दिल्ली। करमन कौर थांडी की पहले एकल में हार के बाद भारत फेड कप एशिया ओशियाना ग्रुप एक मुकाबले में कजाखस्तान से 0-1 से पिछड़ गया। उन्नीस बरस की करमन को विश्व रैंकिंग में 55वें स्थान पर काबिज जरीना दियास ने 6-3, 6-2 से हराया। अब भारत को स्पर्धा में लौटाने की जिम्मेदारी अंकिता रैना पर होगा जो यूलिया पुतिनत्सेवा से खेलेगी। भारत के लिये यह मुकाबला जीतना जरूरी है ताकि विश्व ग्रुप प्लेआफ की दौड़ में बना रहे। करमन को जमने में कुछ समय लगा और दूसरे गेम में सर्विस टूटने के बाद उसने संभलकर वापसी की। दियास ने एक समय 4-1 की बढत बना ली लेकिन फिर करमन ने वापसी करते हुए अंक जुटाये। उसने आक्रामक खेल दिखाते हुए सातवें गेम में तीन ब्रेकप्वाइंट हासिल किये और दूसरे को भुनाया। अगले गेम में हालांकि उसकी सर्विस टूटी। दियास ने अगले गेम में करमन की सर्विस फिर तोड़कर सेट जीत लिया। दूसरे सेट में भी करमन के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा और उसने फोरहैंड पर कई गलतियां की। पांचवें गेम में वह 30-0 से आगे थी लेकिन उसकी लय टूटी जब उसने विवादित काल पर रिप्ले लिया। कप्तान अंकिता भांबरी की चेयर अंपायर से बहस भी हुई जिसका असर करमन के खेल पर पड़ा और उसने दो डबलफाल्ट कर डाले । इसके बाद मैच में वापसी का कोई रास्ता नहीं बचा था।

धोनी ने रचा इतिहास, 400 शिकार करने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बने

केपटाउन। भारतीय क्रिकेटर महेन्द्र सिंह धोनी विकेट के पीछे 400 शिकार करने वाले दुनिया के चौथे विकेटकीपर बन गए। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में धोनी ने कार्यवाहक कप्तान एडेन मार्करम को कुलदीप यादव की गेंद पर स्टंप करके यह कारनामा किया। पारी के 17वें ओवर में चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप की फ्लाइटेड गेंद को मार्करम चूक गये और धोनी ने समय गंवाये बिना गिल्लियां बिखेर दी। अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय मैचों में धोनी से पहले यह उपलब्धि कुमार संगकारा (482), एडम गिलक्रिस्ट (472) और मार्क बाउचर (424) हासिल कर चुके हैं।

कुलदीप-चहल विश्व कप में होंगे 'एक्स फैक्टर' : विराट

केपटाउन (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज़ में 3-0 की अजेय बढत में अहम भूमिका निभाने वाले स्पिनर कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल से प्रभावित कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि दोनों गेंदबाज़ विश्वकप में भी महत्वपूर्ण साबित होंगे।

कलाई के दोनों स्पिनरों ने बुधवार को खेले गए तीसरे वनडे में मिलकर आठ विकेट निकाले और अफ्रीकी टीम को 179 पर ढेर कर दिया जिससे भारत ने 124 रन के बड़े अंतर से मैच जीत लिया। अब विराट की कप्तानी में टीम इंडिया दक्षिण अफ्रीका में अपनी पहली सीरीज़ जीत से एक कदम दूर रह गयी है।

विराट वनडे सीरीज़ में दोनों गेंदबाज़ों के शामिल होने के बाद से ही उनकी हर मैच के बाद जमकर तारीफ करते हैं और केपटाउन में जीत के बाद भी उन्होंने चाइनामैन गेंदबाज़ कुलदीप और लेग स्पिनर चहल की प्रशंसा की और माना कि दोनों के लिये टेस्ट टीम में जगह बनाना भी कोई मुश्किल नहीं है। कप्तान ने टेस्ट टीम में दोनों की जगह को लेकर कहा यह शायद अब बहुत दूर नहीं है।

भारतीय कप्तान ने कहा दोनों ही बहुत मजबूत खिलाड़ी हैं और विदेशी जमीन पर वे जिस तरह से खेल रहे हैं वह असाधारण है जो हमने पहले नहीं देखा। दोनों विपक्षी टीम को जिस तरह से जकड़ रहे हैं उससे निकलना मुश्किल हो रहा है। इस मैच में उनके आठ विकेट कमाल है।

शीतकालीन ओलंपिक आज से, छाप छोड़ने उतरेंगे भारत के केशवन

प्योंगयोंग (एजेंसी)।

ल्यूज एथलीट शिवा केशवन तथा क्रॉस कंट्री स्कायर जगदीश सिंह शुक्रवार से दक्षिण कोरिया में शुरू होने जा रहे प्योंगयोंग शीतकालीन ओलंपिक खेलों में भारत की ओर से दावेदारी पेश करेंगे।

36 साल के केशवन छठी बार शीतकालीन ओलंपिक खेलों में हिस्सा ले रहे हैं जो उनके करियर के आखिरी ओलंपिक खेल भी हैं जहां उनका लक्ष्य इस बार धमाकेदार विदाई के साथ इन खेलों को यादगार बनाना है। उन्होंने जापान के नागानो में 1998 में हुए खेलों से पदार्पण किया था। वह इससे पहले वर्ष 1998, 2002, 2006, 2010 और 2014 ओलंपिक

खेलों में भाग ले चुके हैं।

दूसरी ओर जगदीश के लिए 09 से 25 फरवरी तक चलने वाले प्योंगयोंग ओलंपिक उनके करियर का पहला ओलंपिक होगा। ल्यूगर केशवन के अलावा एल्पाइन स्कायर नेहा आहुजा और हीरा लाल तथा बहादुर गुप्ता (क्रॉस कंट्री स्की) भी भारतीय टीम का हिस्सा होंगे। ये 2006 इटली ओलंपिक में भी हिस्सा ले चुके हैं।

शिवा ने खेलों से पूर्व कहा था, संभवतः यह मेरा आखिरी ओलंपिक होगा। मेरे लिए क्वालिफिकेशन ज्यादा मायने नहीं रखता, लेकिन करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना एक बहुत बड़ी चुनौती है। युवा ओलंपियन शिवा अब तक चार स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य पदक अपने नाम कर चुके हैं।

शिवा की मां इटली की हैं और पिता केरल निवासी ,जो मनाली में रेस्तरां चलाते हैं। शिवा को अपनी मां के देश इटली से खेलने के कई प्रस्ताव मिले, पर उन्होंने हर बार भारत को ही अपनी प्राथमिकता दी है। शिवा को 2012 में अर्जुन पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। खेल मंत्रालय ने पिछले महीने ही टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम के तहत अभ्यास के लिए शिवा को 20 लाख रूपए की राशि की घोषणा की थी।

बांग्लादेश-श्रीलंका दूसरा टेस्ट : पहले दिन लगा विकटों का पतझड़

ढाका (एजेंसी)।

चटगांव में खेले गए पहले क्रिकेट टेस्ट में जहां रनों की बारिश हुई तो वहीं दूसरे और सीरीज के आखिरी टेस्ट के पहले दिन गुरूवार को विटकों का पतझड़ लगा। मैच के पहले ही दिन दोनों टीमों के 14 विकेट गिरे। बांग्लादेश ने श्रीलंका की पहली पारी 222 रन के स्कोर पर सस्ते में समेट दी। वहीं दिन की समाप्ति तक उसने अपने भी चार विकेट गंवा दी।

पहले चटगांव टेस्ट में दोनों टीमों ने 1500 से ज्यादा का स्कोर खड़ा किया जो बांग्लादेश की जमीन पर रनों के लिहाज से दूसरा सर्वाधिक स्कोर वाला मैच था लेकिन दूसरा मैच पहले से बिल्कुल विपरीत रहा जहां पहले ही दिन 14 विकेट गिर गये। वहीं दिन का खेल समाप्त होने तक बांग्लादेश की टीम ने 22 ओवर के खेल में मात्र 56 रन पर अपने चार विकेट गंवा दिए।

श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन वह 65.3 ओवर में 222 रन पर ही सिमट गई। मेहमान टीम की पारी में केवल दो बल्लेबाज ओपनर कुशल मेंडिस ने 68 रन की अर्धशतकीय पारी खेली जबकि मध्यक्रम के रौशन सिल्वा ने 56 रन बनाए और दोनों बड़े स्कोरर रहे। इसके अलावा अन्य कोई बल्लेबाज टिककर रन नहीं बना सका। बांग्लादेश की तरफ से अब्दुर रज्जाक ने 63 रन देकर चार और तैजुल इस्लाम ने 83 रन पर चार विकेट निकाले जबकि

मुस्ताफिजुर रहमान ने 17 रन पर दो विकेट लिए। वहीं श्रीलंकाई गेंदबाजों को भी विकेट पर काफी मदद मिली, जिन्होंने बांग्लादेश की पहली पारी में 45 रन पर चार विकेट निकाल दिए। दिन की समाप्ति तक लिटन दास 24 और मेहदी हसन मिराज पांच रन पर नाबाद हैं और मेजबान टीम छह विकेट के साथ विपक्षी टीम से 166 रन पीछे है। ओपनर तमीम इकबाल(04), इमरूल काएस(19), मोमिनुल हक(शून्य) और मुशफिकुर रहीम(एक) रन पर आउट हुए। सुरंगा लकमल ने 15 रन पर दो विकेट और दिलरूवान परेरा ने एक विकेट लिया।

टेस्ट क्रिकेट को बचाने के लिए कुमार संगकारा ने की ये अपील

हांगकांग (एजेंसी)।

श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज कुमार संगकारा ने युवाओं के टी-20 क्रिकेट के प्रति बढ़ते रूझान को रोकने के लिये टेस्ट क्रिकेट में न्यूनतम मैच फीस तय करने की अपील की. टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने वाले पांचवें नंबर के बल्लेबाज संगकारा ने पिछले साल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था, लेकिन वह दुनिया भर में टी-20 लीग खेलते हैं. संगकारा ने क्रिकेट को नया बाजार देने के लिये टी-20 प्रारूप की तारीफ की, लेकिन कहा कि बिना किसी बदलाव के टेस्ट क्रिकेट के लिये अस्तित्व बनाये रखना मुश्किल होगा. उन्होंने कहा, 'टी-20 अमेरिका, चीन जैसे देशों में खेल की शुरुआत के लिये अच्छा प्रारूप है, लेकिन इसके नकारात्मक पहलू भी हैं. युवा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की बजाय इसे चुन रहे हैं.' उन्होंने कहा, 'टेस्ट क्रिकेटरों के लिये न्यूनतम मैच फीस तय होना जरूरी है. शीर्ष देश एक निर्धारित रकम मैच फीस के रूप में दे रहे हैं, लेकिन सभी टेस्ट देशों को इसका पालन करना चाहिये.' दुनिया में विकेट के पीछे सबसे सबसे ज्यादा शिकार का रिकॉर्ड श्रीलंका के इस विकेटकीपर के नाम है. कुमार संगकारा ने 482 शिकार किए हैं. उनके बाद नंबर एडम गिलक्रिस्ट का है.

मानसिक रूप से क्रिकेट से थके लसिथ मलिंगा का इरादा संन्यास

कासेंट मौरित्ज (स्विटजरलैंड)। श्रीलंका के तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा ने क्रिकेट से संन्यास लेने का संकेत देते हुए कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से मानसिक रूप से थक चुके हैं और अब उनका आईपीएल कैरियर भी खत्म हो गया। मलिंगा को बुधवार को मुंबई इंडियंस का गेंदबाजी मेंटर बनाया गया। वह पिछले एक दशक से मुंबई इंडियंस का अभिन्न अंग रहे हैं और उसके 157 आईपीएल मैचों में से 110 खेले। मलिंगा ने सेंट मौरित्ज आइस क्रिकेट चैलेंज से इतर कहा, 'मानसिक रूप से अब मैं क्रिकेट खेलकर थक चुका हूं। मुझे नहीं लगता कि अब और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलूंगा।'

उन्होंने कहा, 'मैने श्रीलंका क्रिकेट से अभी बात नहीं की है लेकिन यहां से लौटने के बाद घरेलू क्रिकेट खेलूंगा और देखता हूं कि शरीर कितनी इजाजत देता है। अब मेरा आईपीएल कैरियर खत्म हो चुका है और मुंबई इंडियंस के साथ नयी पारी की शुरूआत करना है।' मलिंगा को पता है कि खचाखच भरे वानखेड़े स्टेडियम पर नीली जर्सी पहनकर मुंबई के लिये मैदान पर नहीं उतरना उनके लिये मुश्किल होगा लेकिन कहीं ना कहीं उन्हें अहसास था कि उनका वक्त खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा, 'हर किसी को संकेत मिलता है। वसीम अकरम जैसे महान गेंदबाज को भी पता चला गया था कि उनका समय कब पूरा हुआ।' उन्होंने कहा, 'मुझे रिटेन नहीं करने के फैसले पर मैं हैरान नहीं था। मुंबई के साथ दस साल बहुत अच्छे गुजरे लेकिन इस साल टीम मालिकों ने मुझसे बात की और आगे की रणनीति बताई। वे अगले तीन साल के लिये अच्छी टीम बनाना चाहते हैं। मैं भी समझता हूं कि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में मेरा दौर गुजर चुका है।'

शमी के रनअप में दिक्कत, बुमराह को काउंटी खेलना होगा : अकरम

सेंट मौरित्ज। भारतीय तेज गेंदबाजों से प्रभावित पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम का मानना है कि मोहम्मद शमी अगर अपना रनअप दुरूस्त कर ले और जसप्रीत बुमराह कुछ समय काउंटी क्रिकेट खेले तो वे इंग्लैंड दौरे पर कहर बरपा सकते हैं। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में शुमार अकरम का मानना है कि मौजूदा भारतीय तेज आक्रमण आत्मविश्वास से ओतप्रोत है।

उन्होंने कहा ,'' शमी अच्छा गेंदबाज है लेकिन कई बार मुझे लगता है कि वह सुस्त है। तेज गेंदबाज होने के नाते उसे चुस्ती के साथ बल्लेबाज को गलती करने पर मजबूर करते रहना चाहिये।'' तकनीकी पहलू पर विस्तार से पूछने पर अकरम ने कहा ,''अपने रनअप के समय शमी कई बार क्रीज पर पहुंचने से ठीक पहले छोटे कदम लेता है। कई बार लय से भटकने पर कदम छोटे हो जाते हैं और गेंद सटीक नहीं पड़ती।'' उन्होंने कहा ,''इससे गेंदबाज की रफ्तार भी कम हो जाती है।''

शमी का घुटने की चोटों का इतिहास रहा है और अकरम ने स्वीकार किया कि यह चिंता की बात है। उन्होंने कहा ,''शमी के साथ मसला रहेगा। शोएब अख्तर को भी घुटने ने परेशान किया। उसे शरीर के निचले हिस्से की मांसपेशियों पर काम करना होगा।'' माइकल होल्डिंग ने हाल ही में कहा था कि बुमराह को अपने गेंदबाजी एक्शन के कारण इंग्लैंड में सफलता नहीं मिलेगी लेकिन अकरम का मानना है कि इस पर काम हो सकता है। उन्होंने कहा ,''मैं माइक से इत्तेफाक रखता हूं कि इंग्लैंड की पिचों पर इस तरह के एक्शन से कामयाबी नहीं मिल सकती लेकिन यह अनुभव के साथ ही आयेगा। बीसीसीआई अपने प्रमुख खिलाड़ियों को काउंटी क्रिकेट नहीं खेलने देता।''

उन्होंने कहा ,''बुमराह अगर कम से कम एक महीने काउंटी क्रिकेट खेले तो वह बेहतर बल्लेबाज हो सकता है। भारतीय बोर्ड को बुमराह को बताना होगा कि आईपीएल छोड़कर एक महीना काउंटी खेले।'' उन्होंने कहा कि मौजूदा भारतीय तेज गेंदबाजों में भुवनेश्वर कुमार सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने कहा ,''मुझे भुवनेश्वर कुमार दक्षिण अफ्रीका में सबसे प्रभावी तेज गेंदबाज लगा। वह दोनों तरफ से गेंद को स्विंग करा रहा है। अब अधिक रफ्तार के साथ वह और प्रभावी हो गया है।''

पाकिस्तान के इस महान खिलाड़ी ने विराट को बताया विश्व का बेहतरीन बल्लेबाज

कराची (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद ने भारतीय कप्तान विराट कोहली की तारीफ करते हुए उन्हें जीनियस और दुनिया का सबसे बेहतरीन बल्लेबाज बताया है।

विराट ने बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में नाबाद 160 रन बनाए थे और अपने वनडे करियर का 34वां शतक पूरा किया किया था। विराट की इस पारी की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 124 रनों से हराकर छह मैचों की वनडे सीरीज में 3-0 की बढ़त हासिल कर ली।

मियांदाद ने पाकिस्तान की एक वेबसाइट को दिए साक्षात्कार में कहा कि विराट तकनीकी रूप से इतने दक्ष हैं कि वह भारत को मुश्किल चुनोतियों से उबारकर अपनी टीम को जीत दिलाते हैं। उनकी यह कला उन्हें महान बल्लेबाजों की श्रेणी में ला खड़ा करता है।

पूर्व पाकिस्तानी कप्तान ने कहा कि विराट की बल्लेबाजी शैली उन्हें रन बनाने में मदद करती है। वह एक या दो बार नहीं बल्कि जब भी बल्लेबाजी करने आते हैं तो रन बनाते है। अगर किसी बल्लेबाज की तकनीक खराब होती है, तो वह तब भी कभी-कभार अच्छे स्कोर बना देते हैं, लेकिन विराट के प्रदर्शन में निरंतरता है। वह हमेशा रन बनाते हैं।

मियांदाद ने कहा कि उनकी शानदार तकनीक उन्हें रन करने में मदद करती है और मेरी नजर में वह महान खिलाड़ी है। वह परिस्थितियों को भांप कर गेंदबाज की कमजोरियों और उसके मजबूत पक्ष को समझ लेता है और उसी के अनुसार अपनी तकनीक में परिवर्तन ले आता है। इसलिए वह मेरी नजर में जीनियस और दुनिया के महान बल्लेबाज हैं।

सखी वृंद योग ग्रुप ने सिखाया महिलाओं को योग

संवाददाता, सूरत। सखी वृंद योग ग्रुप, संग्रामपुरा में अनेक वर्षों से बहनें योग करती हैं। चेतनाबेन इनकी योग प्रशिक्षिका, प्रेरणास्रोत मोटीवेटर हैं। अलका सांखला को जब वक्तव्य के लिए बुलाया तब उन्होंने बताया- योग करना तो बहुत अच्छी बात है, पर आगे गती-प्रगति के लिए ध्यान करना जरुरी है। उसके बाद अलका और डॉ माया ने उनको प्रेक्षाध्यन की जानकारी दी। अलका ने प्रेरणा दी, प्रेक्षावाहिनी शुरु करके योग के साथ महीने में एक बार एक घंटा प्रेक्षाध्यान करो!

उत्साही, जागृत और नया सीखने में लालायित बहनें तुरंत ही तैयार हुई।चेतनाबेन ने सबको बहुत अच्छीतरह जोड़ा। ६० से अधिक बहनें प्रेक्षाध्यान करके बहुत ख़ुश हैं और आनंद की अनुभूति कर रही हैं।अलका सांखला प्रेणादेनेवाली, चेतना बेन प्रेक्षावाहिनी संयोजक हैं और डॉ माया प्रेक्षाप्रशिक्षिका है।

आज अलका सांखलाने बताया- ध्यान में गती-प्रगति करनी हैं तो आपको भवक्रिया को जानना होगा। भाव क्रिया में, वर्तमान में जीना सीखना, स्मृति(भुतकाल) और कल्पना (भविष्य) इस में जीने से ध्या न में एकाग्रता नहीं आती, इसलिए वर्तमान में जीना! अप्रमत्त आने जागृता के साथ जीना। जानते हुए हर बात करना। इसके साथ सबके साथ मैत्रीभाव रखना। मितभाषी रहेना जरुरी याने कम बोलना, जरुर हो तभी बोलना और मौन रहेना सबसे बेहतर होता है। उसके बाद मिताहार में जैसा अन वैसा मन इसलिए सात्विक आहार कम आहार आवश्यक हैं।

उसके बाद डॉ माया ने सब को प्रेक्षाध्यन करवाया।

आज विशेष अतिथि दर्शनाबेन को बुलाया था, जिन्हें अखिल हिन्द परिषद व्दारा आयोजित वक्तव्य स्पर्धा में राज्यस्तर पे प्रथम क्रमांक मिला। उन्होंने अपने वक्तव्य की छोटीसी झलक दिखाया जो सभी बहनों को बहुत ही अच्छा लगा! उनका सम्मान डॉ माया, अलका और चेतना बेन ने किया। अलका सांखलाने किये हास्य प्रयोग से सभी बहनों का मन मोह लिया। सब बहुत ही प्रसन्न और आनंद से खिल उठी! स्वस्थ-मस्त रहने के साथ अनेक संकल्प और समस्या को पकड़ो, और फेंको करके ख़ुशी से धुन उठी। अंत में सुंदर प्रार्थना के साथ कार्यक्रम ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ!

जनता पर जबरन थोपा जाना बोझ अवांछनीय

सूरत। मनपा प्रशासन ने शहरवासियो पर बेहताशा कर लादे जाने पर विपक्ष में बैठी कांग्रेस ने जमकर विरोध किया। हुड़दंग करने वालो को पुलिस प्रशासन ने गिरफ्तार भी किया था। दो दिन से वेरा का विरोध से सदन में हंगामा खड़ा हो गया था। वेरा में बढ़ोतरी और सदन में हुड़दंग की गूंज गाँधीनगर तक पहुंची.उसके बाद मुख्यमंत्री रुपाणी खेंचतान का अंत कुछ ही समय में वेरा में कटौती करने का आदेश दे कर कर लिया। मनपा की कार्यप्रणाली को देखते हुए सूरत का नाम देश के अन्य पालिका के बजाय आदर से लिया जाता है। मनपा आयुक्त ने ड्राफ्ट बजट में 537 करोड़ का बोझ शहरवासियो पर डाल दिया। लेकिन स्थायी समिति ने इतने भारी बजट की रकम और जनता पर पड़ने वाले बोझ को कम कर दिया। 2018 -19 का बजट पेश किया। मनपा हर वर्ष अपनी मरजी का बजट पेश करती आ रही है। शहर में विकास का काम भी कार्यरत है। आर्थिक संकट का सामना कर रहा मनपा प्रशासन ने जनता की जेब टटोलनी शुरू कर दी। लिहाजा, विपक्ष में इस बार मजबूत बनकर सत्ता में आई कांग्रेस को मनपा के वेरा में बढ़ोतरी भाई नहीं और कांग्रेस ने हंगामा खड़ा कर दिया। मनपा प्रशासन इस बार सफल होने ही वाला था , लेकिन विपक्ष की सतर्कता ने वर्षभर में होने वाली बढ़ोतरी को ठंडे बस्ते में डाल दिया। जनता वेरा भरपाई के नुकसान से बच गई । दरअसल ,शहर में सफाई के नाम पर ,सड़क के नाम और बाग बगीचे आदि के सरंक्षण के लिए भारी वेरा शहर की 60 लाख जतना से वसूला जाता है। परन्तु व्यवस्था के नाम पर मनपा हाथताली दे देती है। अभी तक जीएसटी और नोटबंदी से जनता उभर भी नहीं पाई है। अतएव, कपड़ा उधोग ऑक्सीजन पर है। हीरा उधोग में तेजी का नाम दिया जाता है ,लेकिन इन दोनो बड़े उधोग से लाभ की आशा की जाती रही है ,वही पर व्यापारी ठगा महसूस कर रहा है। दोष महानगरपालिका के आयुक्त या संबंधित विभाग का नही है। परन्तु राष्ट्र स्तर से ली जाने वाली सुध की अपरिपक्वता का ही कारण है। जिस तरह देश में गुजरात के दो बड़े उधोग को कर और सरलीकरण नहीं होने की चोट लगी है ,उससे आज आम जतना विवश है ,मजबूर है।

पाप बढ़ने पर भगवान अवतरित होते हैं : संतदास महाराज

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव प्रसंग के दौरान जमकर झूमे श्रोता

संवादाता, सूरत। पांडेसरा इलाके के श्री काशी विश्वनाथ धाम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन गुरूवार को व्यासपीठ से संतदास महाराज ने अपनी मधुरवाणी से श्रोताओं को अमृतमयी श्रीमद्भागवत कथा के दौरान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव प्रसंग का रसपान कराया। कथा के दौरान श्रीकृष्ण ने कंस के पाप व अत्याचार से लोगों को निजात दिलाने के लिए श्री वासुदेव व देवकी के गर्भ से आठवें पुत्र के रूप में जन्म लिया। भगवान ने भादों के शुक्लपक्ष की अष्टमी की आधी रात को जन्म लिया। जेल के सभी पहरेदार गहरी नींद में सो गए और श्रीवासुदेव जी के हाथों व पैरों से कथकड़ी व बेड़ियां खुल गई। भगवान के श्री चरणों को छूने के लिए यमुना जी आतुर हो गई। और भगवान के श्रीचरणों का स्पर्श कर शांत हो गई। श्री वासुदेव ने श्रीकृष्ण को गोकुल स्थित नंदबाबा के घर आधी रात को पहुंचाकर वापस जेल आ गए। कथा के दौरान कथा पंडाल में मौजूद श्रोतागण जमकर झूमे। कथा के दौरान श्री काशी विश्वनाथ धाम मंदिर के महंत सर्वेशानंद महाराज, तीरथ चौबे, दिनेश दूबे, वासुदेवानंद महाराज, महाबली दूबे, नत्थू सिंह, सुभाष दूबे, शैलेन्द्र चौबे, विजय सिंह, संजय पांडेय, अजय पांडेय, मनोज उपाध्याय, बब्बू तिवारी, राजकुमार मिश्रा, देवी दर्शन, अजय पांडेय, रमेश मौर्या, अमरबहादुर यादव, राजकुमार विश्वकर्मा, सुभाष यादव, श्री सांवलिया सिल्क मिल्स के अजीत भाई, प्रदीप भाई, जगदीश शर्मा, यशनाथ तिवारी, रेखा मौर्या, लता दूबे, सोनू पांडेय, राकेश भाई सहित काफी तादाद में श्रोतागण मौजूद थे।

वेरा बिल घटने का फोस्टा ने किया स्वागत

वेरा बिल के विरोध में महापौर को लिखा था पत्र

संवाददाता, सूरत। फेडरेशन ऑफ सूरत टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन कपड़ा व्यापारियों द्वारा तैयार किया गया प्रकल्प है। जब भी कपड़ा उद्योग पर कोई आंच आने लगता है तो फोस्टा पदाधिकारी सदैव व्यापारियों की हितों की लड़ाई लड़ने के लिए मैदान में उतर जाते हैं। फोस्टा पदाधिकारियों को जैसे ही मनपा द्वारा वेरा बिल में बढ़ोतरी की जानकारी हुई। वैसे ही फोस्टा अध्यक्ष मनोज अग्रवाल व अन्य पदाधिकारियों ने मनपा महापौर स्मिता शिरोया व स्थाई समिति के चेयरमैन राजेशभाई देसाई को व्यापारियों की ओर से पत्र लिखकर विरोध जताया था। फोस्टा ने अपने विरोध में जताया कि नोटबंदी व जीएसटी से कपड़ा उद्योग में 40 प्रतिशत गिरावट आई है। इस दशा में कपड़ा दुकानों का वेरा बढ़ोतरी करना व्यापारियों व व्यापार के हित में नहीं है। व्यापारियों की इस मांग को गंभीरता से मनपा प्रशासन व सत्तापक्ष गंभीरता से लिया और दुकानों के वेरा बिल बढ़ोतरी में कमी कर व्यापारियों को संजीवनी देने का काम किया है। मनपा प्रशासन व शासक पक्ष की ओर से वेरा वृद्धि में कटौती का फोस्टा पदाधिकारियों ने स्वागत किया।

मनपा ने बढ़ाया वेरा लिया वापस, पर कांग्रेस ने फटाका फोड़ मनाया जश्न

संवाददाता, सूरत। पालिका द्वारा ड्राप्ट बजट में वेरा बढ़ाने के बाद वापस ले लेने से कांग्रेस ने फटाका पोड़कर जश्न मनाया। कांग्रेस द्वारा किए गए भारी विरोध के कारण वेरा वापस लेने पर कांग्रेस ने इसे लोकशाही की जीत बताया है। पालिका द्वारा ड्राप्ट बजट में जारी किए गए वेरा में भारी वृद्धि को लेकर कांग्रेस ने बढ़ाए गए वेरा को वापस लेने के लिए आंदोलन के कई कार्यक्रम भी किए थे। इसके बाद वेरा वृद्धि को वापस लेने पर गुरुवार को कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में पालिका में एकत्र हुए और पटाखा फोड़कर जश्न मनाए। शहरीजनों पर डाले गए 537 करोड़ वरा वृद्धि को मंजूरी देने के बदले स्थाई समिति ने 430 करोड़ की कमी करके मात्र यूजर चार्ज में ही 107 करोड़ का कमी की है। मुख्यमंत्री ने शासकों को आदेश दिया कि शहरीजनों ने अपने को 12 में से 12 सीट दिए हैं। इसलिए 200 से 300 रुपए अधिक वेरा नहीं वसूला जा सकता। इसलिए शासकों ने 430 करोड़ घटाकर स्थाई समिति के समक्ष पेश किए, रिवाइज्ड और ड्राफ्ट बजट को मंजूरी दे दी गई।

रुपए के लेन-देन में युवक की हत्या

ब्याजखोरों ने साला बहनोई पर चाकू से हमला करके साले की हत्या कर दी

संवाददाता, सूरत। शहर के होडी बंगला के समीप ब्याजखोरों ने बुधवार को रात साला जीजा पर चाकू से हमला करके घायल कर दिए। गंभीर रूप से घायल हुए दोनों को इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल में जहां चिकित्सकों ने एक को मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि हमला रुपए के लेन-देन में किया गया।

घटना के बारे में मिली जानकारी के अनुसार होडी बंगला के पास रहने वाले तथा ब्याजखोरों के हमले में गंभीर रूप से घायल हुए मतीन इकबाल शेख ने बताया कि सुबह मटन मार्केट में और शाम को एक होटल में काम करके परिवार का गुजारा करते हैं। कुछ दिन पहले मतीन ने अपनी पत्नी की सहेली को सरफराज नामक ब्याजखोर से 10 हजार रुपए दिलाए थे। उस समय उसने 2 हजार रुपए काटकर सरफराज ने 200 रुपए दैनिक जमा करने के लिए डायरी बनाकर दिया था। इसके बाद समय पर रुपए लेता रहा। पिछले कुछ दिन से 200 रुपए न देने पर उस महिला को लेकर सरफराज ने मतीन के घर आकर गाली गलौज करता था। बुधवार को फिर सरफराज ने घर आकर हंगामा कर दिया। इसके बाद रात को फोन करके बात करने के बहाने होडी बंगला बुलाया। जहां मतीन अपने साले जावेद उर्फ कालू महबूब पठान को अपने साथ लेकर गया। जहां पर मात्र 2000 रुपए को लेकर सरफराज झगड़ा पर उतर गया और अचानक चाकू से मतीन की जांघ पर तथा उनके साले जावेद के सीने में हमला कर दिया। हमला करने के बाद सरफराज अपने साथियों के साथ फरार हो गया। इसके बाद रोड पर पड़े दोनों को स्मीमेर अस्पताल में ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने जांच करने के बाद मतीन के साले जावेद को मृत घोषित कर दिया। घटना के बारे में चौक पुलिस हत्या का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

ट्रैफिक जाम को लेकर लोगों ने किया उपवास

संवाददाता, सूरत। कामरेज चार रास्ता पर होने वाले टैफिक जाम और अन्य प्रश्नों को लेकर समग्र गांव के लोग रास्ते पर उतर कर उपवास कार्यक्रम करके शासन के प्रति विरोध व्यक्त किया।

सूरत जिला के कामरेज चार रास्ता पर पिछले काफी समय से ट्रैफिक जाम होने की शिकायतें उठ रही थी। जिससे गांव के लोगों ने गुरुवार को ट्रैफिक जाम तथा अन्य प्रश्नों को लेकर रास्ते पर उतर गए हैं। इस दौरान गांव के लोगों ने चक्काजाम करके उपवास का कार्यक्रम भी किया।

संवाददाता, सूरत। गुरुवार को सूरत डिस्ट्रीक्ट क्राईसीस ग्रुप के चेयरमैन और जिला कलेक्टर महेन्द्र पटेल के मार्गदर्शन में नायब कलेक्ट्र बी.अेस, पटेल तथा डायरेक्टरेट इन्डस्ट्रीयल सेफ्टी एण्ड हेल्थ, डीस्ट्रीक्ट क्राईससी ग्रुप सूरत और लोकल क्राईसीस ग्रप ओलपाड़ तथा ओ.ऐन.जी.सी. कंपनी के सहयोग से गुरूवार को सुबह 11.30 हजीरामें ओ.ऐन.जी.सी कंपनी में सूरत जिला ओफ साईट इमरजन्सी प्लान के मोकड्रील का आयोजन किया गया।

सूरत से शिरडी के लिए फ्लाइट शुरू होगी

संवाददाता, सूरत। देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के लिए वेन्चुरा एयर कनेक्ट ने सूरत से शिरडी की फ्लाइट आगामी 15 फरवरी के शुरू करने जा रही है। इसके कारण अब शिरडी की दूरी 7 घंटे की जगह मात्र 1 ही घंटे में पूरी की जा सकेगी। इतना ही नहीं इस फ्लाइट का लाभ सूरत के साथ-साथ अहमदाबाद, भावनगर, अमरेली और राजकोट शहर को भी मिलने वाला है।

9 सीटर की फ्लाइट शुरू होगी

वेन्चुरा एयर कनेक्ट के डायरेक्टर ईश्वर धोलकिया ने कहा कि शिरडी एयर पोर्ट ऑथोरिटी की ओर से स्लोट मिल गया है। सर्वे में सूरत शिरडी के बीच ट्रैफिक लोड 70 फीसदी के करीब है। सूरत, अहमदाबाद, राजकोट भावनगर और अमरेली के यात्रियों ने मांग की थी कि शिरडी से फ्लाइट शुरू हो, जिससे 15 से 9 सीटर फ्लाइट शुरू होगी।

भाड़ा घटाने में सरकार की मदद ली जाएगी

इस फ्लाइट का भाड़ा 3500 से 5 हजार के बीच रखा जाएगा। आगामी दिनों में महाराष्ट्र और गुजरात सरकार के साथ बात करने वाले हैं। जो कोई सब्सीडी दे और यात्रियों को राहत मिले, इस तरह के प्रयास किए जाएंगे। जिसके कारण यात्रियों को भाड़ा में राहत मिलेगी।

अहमदाबाद, राजकोट, भावनगर, अमरेली को जोड़ने वाली फ्लाइट

डायरेक्ट ने कहा कि हाल में सूरत अहमदाबाद की हमारी फ्लाइट ऑपरेशनल कारणों से बंद की गई है, जिसे हम 12 फरवरी से फिर से शुरू करना चाहते हैं। कहा कि सूरत के साथ-साथ अहमदाबाद, राजकोट, भावनगर और अमरेली के यात्रियों को भी इसका लाभ मिलने वाला है। इस शहर के यात्री सूरत से शिरडी जा सकेंगे।

जन्म मृत्यु एवं विवाह पंजीयन का होगा भौतिक सत्यापन

संवाददाता, उदयपुर। उदयपुर जिले के समस्त 17 ब्लॉक्स की चयनित एक.एक ग्राम पंचायत में वर्ष 2011 से 2017 तक जन्मए मृत्यु एवं विवाह की घटनाओं का भौतिक सत्यापन करवाया जा कर शेष रहे प्रकरणों का पंजीकरण कराया जाकर प्रमाणपत्र जारी किये जायेंगे। मुख्य रजिस्ट्रार ;जन्म.मृत्यद्धु एवं निदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी जयपुर के निर्देशानुसार इस कार्य हेतु प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्रगणक नियुक्त किये जाकर माह फरवरी 2018 से घर.घर सर्वे किया जा रहा है।

नशे में धुत् कार चालक ने दो को उड़ाया

संवाददाता, सूरत। पांडेसरा में कैलाश चौकड़ी के पास एक कार चालक ने एक बालक तथा अन्य सवार को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। जहां पर दोनों की हालत गंभीर होने की जानकारी मिली है। कार चालक को फरार हो जाने के बाद स्थानीय लोगों ने कार को तोड़फोड़ दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार की देर रात पांडेसरा में हिट एन्ड रन का मामला सामने आया है। गत रोज देर रात को भटार की ओर से वेगन आर कार चालक नशे में धुत् होकर अन्य कार को टक्कर मार दिया। जिससे क्षतिग्रस्त हुई कार के चालक ने वेगनआर कार के चालक का पीछा किया तो उसने तेजी से भागते हुए कैलाश नगर चौकड़ी के पास बीआरटीएस में पैदल जा रहे एक बालक को उड़ा दिया। इसके बाद वेगन आर के चालक ने कार को और भी तेजी से भगाने के प्रायस में बाइक पर सवार दो लोगों भी टक्कर मार दिया। गंभीर रूप से टक्कर मारने के बाद कार चालक स्थल पर ही कार को छोड़कर फरार हो गया। गंभीर हालत में बालक और बाइक चालक को इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया है। जहां पर उनकी हालत गंभीर होने की जानकारी मिली है। जबकि कार चालक को फरार होने के बाद स्थानीय लोगों ने कार को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के संदर्भ में पांडेसरा पुलिस कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com